आंचलिक विज्ञान केन्द्र, विज्ञान धाम में "She for STEM" के उद्घाटन समारोह के अवसर पर माननीय राज्यपाल महोदय का सम्बोधन।

(दिनांक 10 अगस्त, 2024)

जय हिन्द!

"She for STEM" के उद्घाटन समारोह में आप सभी के मध्य पहुँचकर मुझे अपार प्रसन्नता हो रही है।

यह जगह ही ऐसी है, जहाँ आने पर मुझे असीम आनंद की अनुभूति होती है, वह इसलिए क्योंकि यहाँ हमेशा ज्ञान, विज्ञान और नवाचार की बातें होती हैं, सामाजिक उत्थान के लिए विज्ञान की भूमिका पर विचार–विमर्श होता है।

हम सब जानते हैं कि STEM वर्तमान समय की आवश्यकता है आज दुनिया भर में STEM के माध्यम से सामाजिक एवं आर्थिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त करने की पहल हो चुकी है। दुनिया का वह देश और समाज लगातार आगे बढ़ रहे हैं जिन्होंने STEM एजुकेशन के ऊपर ध्यान दिया है।

यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि भारत उन देशों में से एक है जहाँ सबसे अधिक संख्या में वैज्ञानिक और इंजीनियर मौजूद हैं, अपने देश में पिछले कुछ वर्षों में 'STEM' की वृद्धि में काफी तेजी आई है।

हम मानते हैं कि नवाचार एवं तकनीकी क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी भविष्य में देश की उन्नति के लिए एक महत्वपूर्ण निवेश है। इसीलिए अपना देश महिलाओं को STEM में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए उत्साहजनक कदम उठा रहा है।

विज्ञान के कुछ क्षेत्र ऐसे हैं, जहाँ महिलाओं की भागीदारी में उल्लेखनीय प्रगति हुई है, लेकिन भौतिकी, इंजीनियरिंग और गणित जैसे क्षेत्रों में अभी भी सुधार की आवश्यकता है।

मुझे लगता है कि STEM क्षेत्रों में महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए सामाजिक–सांस्कृतिक पर्यावरण परिवर्तन पर हमें अधिक ध्यान होगा। महिलाओं को उद्यमी के रूप में अपनी पूरी क्षमता तक पहुँचने के लिए प्रेरित करने के लिए उन्हें उपयुक्त उपकरण और मार्गदर्शन प्रदान करने की आवश्यकता है।

हम सब जानते हैं कि एक मजबूत STEM शिक्षा महत्वपूर्ण विचारक, समस्या समाधानकर्त्ता और अगली पीढ़ी के नए नेतृत्व करने वालों का निर्माण करती है। 'नेशनल साइंस फाउंडेशन' के अनुसार, अगले दशक में सृजित नौकरियों में से 80 प्रतिशत के लिए किसी न किसी रूप में गणित एवं विज्ञान कौशल की आवश्यकता होगी।

भारत में लगभग 43 प्रतिशत महिलाएँ STEM में स्नातक हैं, जो दुनिया में सबसे अधिक है। किन्तु भारत में STEM

क्षेत्र में नौकरियों के मामले में महिलाओं की हिस्सेदारी केवल 14 प्रतिशत है जिस पर सोच–विचार करने की आवश्यकता है।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी ने आर्थिकी के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है, ऐसे में मेरा मानना है कि समाज में 'STEM' में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाने के लिए लिंग–भेद को समाप्त करना आवश्यक है।

यह तय है कि तकनीकी क्षेत्र में महिलाओं की अधिक भागीदारी महिलाओं की स्थिति को मजबूत और प्रभावशाली बनाएगी, जिससे समाज में उनकी सामाजिक और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

इस योजना का मुख्य उद्देश्य भी स्टेम शिक्षा क्षेत्र में महिलाओं का प्रतिशत बढ़ाना है। हालाँकि पहले कदम के रूप में स्कूलों को बुद्धि संबंधी लैंगिक धारणाओं को तोड़ने और लड़कियों को न केवल माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर पर विज्ञान लेने बल्कि STEM में अपना करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है।

आज STEM में महिलाओं की संख्या में वृद्धि इस बात का संकेत है, कि स्थिति में निश्चित रूप से सुधार हो रहा है। इससे न केवल महिलाओं को अपने सपनों को पूरा करने में मदद मिलेगी बल्कि विज्ञान को भी अन्य दृष्टिकोणों से लाभ होगा।

STEM हमारे लिए, इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें साइंस है, टेक्नोलॉजी है, इंजीनियरिंग है और मैथेमेटिक्स भी है। हाल के वर्षों में एआइ (AI), मशीन लर्निंग, डीप लर्निंग, क्वांटम आदि क्षेत्रों में जो शोध एवं विकास कार्य हो रहे हैं, उनसे हमारे जीवन में बड़े क्रांतिकारी परिवर्तन आए हैं।

सवाल उठता है कि उत्तराखण्ड में इन परिवर्तनों के लिए हमारी तैयारी क्या है? खासकर हमारी महिलाएँ STEM एजुकेशन के किस पायदान पर खड़ी हैं? और इस क्षेत्र में आगे आने के लिए उन्हें किस तरह के सहयोग और मार्गदर्शन की आवश्यकता है?

मैं मानता हूँ कि भविष्य के लिए तैयार होने के लिए हम सभी का STEM में महारत होना बहुत जरूरी है और मुझे बहुत खुशी भी है कि राज्य में यूकॉस्ट द्वारा STEM एजुकेशन पर शुरूआत की जा चुकी है।

मुझे बताया गया है कि प्रथम चरण में यूकॉस्ट द्वारा राज्य के 06 सीमान्त जनपदों सहित जनपद देहरादून के 42 विकासखण्डों में चिन्हित 42 विद्यालयों में STEM लैब स्थापित की जा चुकी है। SHE अर्थात शक्ति। मेरा दृढ़ विश्वास है कि शक्ति को सशक्त करने के लिए यह जो महत्वपूर्ण पहल हुई है वह प्रदेश और पूरे राष्ट्र की उन्नति के लिए सहायक सिद्ध होगी।

देवभूमि की मातृशक्ति ने राज्य गठन में बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी मातृशक्ति का विद्यालयी एवं उच्च शिक्षा के माध्यम से सशक्तीकरण हमारी प्राथमिकता रही है। एक राज्य के रूप में हमारे लिए यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि उत्तराखण्ड में महिलाएँ हमारे आर्थिक और सामाजिक जीवन की धुरी हैं।

यूकॉस्ट के साथ जो मेरा अनुभव रहा है उसके आधार पर मुझे बहुत प्रसन्नता है कि यूकॉस्ट राष्ट्रीय स्तर की विभिन्न संस्थाओं के साथ समन्वय करते हुए राज्य में विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार के विकास के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है।

चाहे विगत वर्ष 2023 में आयोजित विश्व आपदा प्रबन्धन सम्मेलन हो, साइंस सिटी की स्थापना हो, हर जनपद में साइंस सेंटर की स्थापना हो, लैब्स ऑन व्हील्स परियोजना हो, राज्य के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यालयों में STEM लैब की स्थापना हो, राज्य के सीमांत क्षेत्रों में विज्ञान सम्मेलन हो या फिर साइंस आउटरीच के कार्यक्रम हों। निरंतर चलने वाले इन कार्यक्रमों से प्रदेश में वैज्ञानिक शिक्षा का वातावरण बना है। मुझे प्रसन्नता है कि हमारी बालिकाओं में विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार के प्रति कमाल का उत्साह है।

'She for STEM' के माध्यम से प्रदेश में हर बालिका की कल्पना को नयी उड़ान देने के उद्देश्य से यूकॉस्ट और विज्ञान शाला इंटरनेशनल ने यह अद्भुत मंच तैयार किया

है। मेरा विश्वास है कि प्रदेश के अनेकों विश्वविद्यालयों एवं कॉलेजों से हजारों STEM चैम्पियंस तैयार होंगे, और उसमें भी अधिकांश छात्राएँ होंगी। आशा, उमंग और आत्मविश्वास से भरे 'She for STEM' अपने आप में छात्राओं का ऐसा विशाल नेटवर्क बनेगा जो खुद तो अपने जीवन में करियर की ऊँचाइयों को छुएँगी ही, साथ ही अपने परिवार, गाँव, प्रदेश और अंततः सारे देश में STEM के विकास में अभूतपूर्व योगदान देंगी।

मुझे विज्ञान शाला इंटरनेशनल की संस्थापक, डॉ. दर्शना जोशी की अल्मोड़ा जिले के एक छोटे से गाँव सोमेश्वर से दिल्ली और फिर विश्वविख्यात कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय तक की उड़ान के बारे में ज्ञात हुआ है। कैम्ब्रिज में रहते हुए अपने जैसी हजारों बालिकाओं के मन में STEM के प्रति उत्साह और उमंग जगाने और उन आँखों में STEM की ऊँचाइयों को छू लेने के सपने देखने का जुनून पैदा करके देश–विदेश से चोटी के रोल मॉडल्स को एकत्र कर She for STEM की मशाल जलाने के लिए मैं डॉ. दर्शना जोशी, डॉ. विजय वेनुगोपालन सहित विज्ञान शाला इंटरनेशनल से जुड़े हुए हर व्यक्ति को धन्यवाद देना चाहता हूँ।

मैं प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों एवं कॉलेजों को आह्वान करता हूँ कि वह अपने संस्थान के अधिक से अधिक छात्राओं एवं प्राध्यापकों को इस मुहिम से जोड़ें एवं STEM क्षेत्र के बेहतरीन वैज्ञानिकों एवं विद्वानों के संयोग से STEM के क्षेत्र में हो रहे क्रांतिकारी परिवर्तनों के साक्षी बनते हुए अपनी कल्पना की उड़ान को पंख लगाएँ।

हम 'She for STEM' के माध्यम से प्रदेश में ऐसा वातावरण तैयार करें, जहाँ महिलाएँ एवं बालिकाएँ STEM के क्षेत्र में नवाचार, उद्यमिता और परिवर्तन की मिसाल बनें। यही समय है कि मातृशक्ति को सशक्त करते हुए उन्हें वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने में सक्षम बनाने में हम सब पूरे मनोयोग के साथ सहयोग करें।

मैं विज्ञान शाला इंटरनेशनल, यूकॉस्ट और सभी उच्च शिक्षा संस्थानों को उत्तराखण्ड में 'She for STEM' कार्यक्रम की अपार सफलता के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ।

जय हिन्द!